OM 5 -final_Page 1 and 2 6/10/2014 5:04 AM Page 11

परमात्म ज्ञान ने आसान की जीवन यात्रा...

परमात्मा का ज्ञान मिलने से सम्बन्धों में मधुरता आई। परिवार वालों का भरोसा और विश्वास मेरे प्रति बढ़ा। जीवन यात्रा में दु:खद घटनायें होने पर आई मुश्किलातों को परमात्म-मदद ने न सिर्फ आसान किया बल्कि मेरा हिम्मत-उत्साह बना रहा। परिवार की छोटी-मोटी बातें सहज ही सुलझने लगीं। ये कहना है बिज़नेसमैन विरेन्द्र सिंह, अहमदाबाद का। वे पाण्डव भवन में पाँच दिवसीय राजयोग तपस्या शिविर में हिस्सा लेने के दौरान ओम शान्ति मीडिया से रूबरू हुए, उसके कुछ अंश:-

मैं बिज़नेस करता हूँ। लेकिन यहाँ आने के पहले बिज़नेस में जो टेस्ट था वो यहाँ आने के बाद कम्प्लीट बदल गया। एक तो मैं तनावमुक्त हो गया, सर पर बोझा लेकर चलता था कि ये करना है, वो करना है, ये मिटिंग है, वो मिटिंग है क्योंकि लैण्ड डेवेलॉपर्स का भी काम है मेरा। और लैण्ड में किसान से लेके बिल्डर तक कोई अच्छा इंसान नहीं है। हर जगह चीटिंग है, हर जगह धोखा है, हर जगह परेशानियाँ हैं, तो बहुत सारे टेन्शन रहते थे, बहुत सारे धोखे मिलने के चान्सेज़ रहते थे। लेकिन बाबा का बनने के बाद एक वर्ष तक तो मुझे कोई ज़्यादा ज्ञान की महसूसता नहीं हुई लेकिन एक वर्ष के बाद मुझे ऐसा महसूस होने लगा जैसे मेरा बोझ कम होता जा रहा है और हर काम में सरलता आती जा रही है। छोटे मोटे कुछ संकल्प जो चलते थे वो अपने आप जैसे समाप्त होते जा रहे हैं।

जैसे जैसे समय बीतता गया और करीब छ: महीने से तो मैं इतना रिलैक्स महसूस कर रहा हूँ, इतना आनंद महसूस कर रहा हूँ जैसे कि मेरी बुद्धि बिल्कुल संकल्पों-विकल्पों से रहित हो गई है। जो चाह रहा हूँ वे ही संकल्प आ रहे हैं। मेरे जो भी सामाजिक, पारिवारिक और व्यापारिक संबंध थे वे बड़े ही मधुर होते चले जा रहे हैं।

प्रश्न: आपको ब्रह्माकुमारीज़ में क्या अच्छा लगा जिसे आपने अपने जीवन में आत्मसात किया?

उत्तर: पवित्रता, ये मुझे यूनिक लगा। और कहीं भी ऐसी बात नहीं है। ज्ञान में आने से पहले मैं एक अच्छा शिव भक्त था, रोज़ मंदिर जाकर पूजा करता था। कोई भी तकलीफ आती थी, दु:ख होता था, या कोई भी ऐसी वैसी बात हो जाती थी, तो मैं मंदिर में जाकर रोया करता था। मैं एक क्षत्रिय, राजपूत परिवार से हूँ। राजपूत परिवार में वैसे सबको अभिमान होता है लेकिन मुझमें हमेशा से ही सरलता थी। मैं इलाहाबाद यूनिवर्सिटी में पढ़ता था, आइ.ए.एस., पी.सी.एस. बनने के ख्वाब में था। लेकिन ऐसी घटना घटी कि, जो मुख्य स्तंभ घर का था वो स्तंभ ही गिर गया तो संभालने के लिए मुझे खड़ा होना पड़ा। उसके बाद मैंने प्रताप लीज़िंग एण्ड हार्ड पर्चेज़ कम्पनी थी लखनऊ बेस्ड, उसमें जॉब करना शुरु किया। उन्होंने मुझे डायरेक्टर के पोस्ट पर बॉम्बे भेजा। वहाँ मैंने दो-तीन साल संभाला लेकिन मुझे वो बिज़नेस अच्छा नहीं लगता था। मुझे लगता था इसमें कुछ धोखा जैसा होगा। धीरे-धीरे मैं उसे छोड़ने की कोशिश करने लगा। फिर वहाँ से छोड़ के मैं अहमदाबाद आया।

प्रश्न: परमात्मा इस समय ज्ञान दे रहें है, क्या इस संबंध में बतायेंगें?

उत्तर: ऐसा मुझे पता तो था लेकिन जो फीलिंग आनी शुरु हुई वो लास्ट छ:-सात महीनों से बहुत तेज़ी से हो रही है। मुझे अब ये पक्का विश्वास हो गया है कि यहाँ ईश्वर ही पढ़ाते हैं। ईश्वर ही ऐसी पवित्र शिक्षा दे सकते हैं जो कहीं शास्त्रों में नहीं है, कहीं धर्मों में नहीं है। कहीं मुझे संतुष्टि नहीं मिलती थी, यहाँ आने के बाद संतुष्टि मिली।

प्रश्न: आपने किस मापदंड से जाना कि यहाँ परमात्मा ही पढ़ाते हैं?

उत्तर: मुझे कुछ ऐसे अनुभव हुए कि बाबा को बताके मैंने कुछ कार्य प्रारंभ किए और बड़ी ही सरलता से वो आगे बढ़ते चले गए। ईश्वरीय सेवा के लिए भी कुछ करना चाहता हूँ तो बाबा को बता के करता हूँ और सरलता से वह कार्य आगे बढ़ जाता है। लौकिक-अलौकिक दोनों में ही ऐसी प्राप्ति मैंने अनुभव की है। मेरा आत्मविश्वास का स्तर बहुत बढ़ गया है। मेरा आत्मविश्वास अगर पहले दस प्रतिशत पर था तो आज 90 प्रतिशत पर होगा। ऐसा महसूस होता है।

प्रश्न: क्या आपको लगता है कि ब्रह्माकुमारीज़ का जो पथ है उसी से हमारे आत्मिक शक्तियों का विकास होगा, इनका जो मकसद है कि दुनिया परिवर्तन होगी तो आपको लगता है कि पुन: अपना भारत एक सुंदर संसार कहलायेगा?

उत्तर: अवश्य होगा,परमात्मा ने बोला है तो वो अवश्य होगा और मुझे आभास भी हो रहा है और परिवर्तन होना शुरु भी हो गया है, ऐसी मुझे अनुभूति हो रही है। जितनी हमारी संख्या बढ़ती जा रही है उसी रीति से चेंजेज़ होना भी चालू हो गया है। मुझे लगता है ये सबकुछ धीरे-धीरे होगा, एक झटके में नहीं होगा।

प्रश्न: आपकी पर्सनल लाइफ में ऐसा कोई बदलाव आया जिसे पहले आप छोड़ना या करना चाहते थे और मुश्किल अनुभव होता था?

उत्तर: पवित्रता, मुझे यही कठिन लगता था। और दुनिया को भी यही कठिन लगता है। लेकिन जैसे जैसे समय बीतता गया, मैं ज्ञान की गहराइयों में गया, मुझे ऐसी सरलता मिल रही है कि माया मेरे सामने अड़ गई लेकिन मैंने उसे ऐसा हैंडल किया कि आज वो मुझे देव स्वरूप मानती है, मेरी वाह वाह करती है।

प्रश्न: अभी जैसे कि आपकी धर्मपत्नी भी नहीं रहीं और आपके बच्चे भी हैं तो आप इन सब चीज़ों को कैसे मैनेज करते हैं?

उत्तर: बड़े आराम से, कोई दिक्कत नहीं है, कोई परेशानी नहीं। पहले दिक्कत होती थी, लेकिन बाबा के ज्ञान में आने के बाद एक निश्चिन्तता, एक संतुष्टि जैसी आ गई है तो आराम से हैंडल हो जाता है। बच्चों में थोड़ा खटपट होता भी है तो भी आराम से सुलझ जाता है। वो लोग ज़रूरत समझते हैं तो ही बात करता हूँ मैं। घर में भी बहुत कम बोलता हूँ। मेरे बच्चे बहू सभी हैं लेकिन मुझे बोलने की ज़रूरत नहीं पड़ती। मैं अमृतवेले बाबा के कमरे में बैठकर वायब्रेशन दे देता हूँ कि बच्चों को सद्बुद्धि दो, ज्ञान दो, शांति दो।

प्रश्न: आपको अभी कैसा महसूस होता है कि ज्ञान में आने के बाद आपके बिज़नेस में सरलता आ गई, सहजता आ गई?

उत्तर: मेरी बिज़नेस पार्टनर और सभी लोगों के साथ संबंधों में मधुरता आ गई है। मेरे अंदर तो धोखे का भाव रहता ही नहीं है और सामने वाले के भी ऐसे भाव मेरे सामने आते ही समाप्त हो जाते हैं।

सोलापुर-पालम। गृहमंत्री आर.आर. पाटील को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. चंद्रकला तथा ब्र.कु. सत्या।

फिरोजपुर कैंट-पंजाब। महाशिवरात्रि पर्व पर आयोजित कार्यक्रम में मंचासीन हैं विधायक सुखलाल सिंह ननू, ब्र.कु. उषा तथा ब्र.कु. शक्ति।

हमीरपुर-उ.प्र.। संजय सिंह,थानाध्यक्ष को आध्यात्मिक पत्रिका भेंट करते हुए ब्र.कु. पुष्पा तथा ब्र.कु. कुसुम।

चोटीला-गांधीनगर(गुज.)। शिवजयंती महोत्सव में 'बर्फीला अमरनाथ बाबा दर्शन' कार्यक्रम के उद्घाटन के पश्चात् नया सूरज देवाय मंदिर के महंत श्री हरीचरणदासजी बापू, ब्र.कु. भानु, ब्र.कु. वाहु, ब्र.कु. उर्मिला, ब्र.कु. मीरा तथा नाना बा समूह चित्र में।

डिबरूगढ़-असम। तनाव मुक्ति शिविर के बाद पी.एन.प्रसाद, एम.डी., डी.जी.एम तथा अन्य चीफ इंजीनियर्स,बी.सी.पी.एल. ब्र.कु.पीयूष, ब्र.कु.विनीता तथा ब्र.कु. माती समूह चित्र में।

वार्शी-महा.। महाराष्ट्र राज्य के पाणीपुरवठा एवं स्वच्छता मंत्री दिलीपराव सोपल को ईश्वरीय संदेश देने के पश्चात् पुष्प भेंट करते हुए ब्र.कु.सोमप्रभा। साथ हैं ब्र.कु.महानंदा व ब्र.कु.संगीता।

अहमदाबाद। इंडिया कॉलोनी में 50 घंटे की योग भट्ठी कार्यक्रम में संबोधित करते हुए कॉर्पोरेटर लिकायत भाई। साथ हैं बिज़नेसमैन महेशभाई कुशवाहा, ब्र.कु. भानु, ब्र.कु. बाबू, ब्र.कु. विरेन्द्र तथा अन्य।

चान्दपुर-उ.प्र.। एस.डी.एम. राकेश यादव को ईश्वरीय सौगात भेंट करते हुए ब्र.कु. साधना।